भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2746

उत्तर देने की तारीख-12/08/2026

पाठ्यक्रम में स्वयं तथा एमओओसी का एकीकरण

2746 **श्री पी.पी. सुनीर:**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के अनुसार उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) और विश्वविद्यालयों से स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स (स्वयं) प्लेटफॉर्म और अन्य मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (एमओओसी) पाठ्यक्रमों को अपने पाठ्यक्रम में एकीकृत करने का आग्रह किया है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) तथा विश्वविद्यालयों की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) और (ख): भारत सरकार ने समग्र, लचीली और छात्र-केंद्रित शिक्षा का संवर्धन करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 तैयार की है। एनईपी 2020 में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच को बढ़ावा देने के लिए स्वयम सहित प्रौद्योगिकी-आधारित शिक्षा प्लेटफार्मों के उपयोग और एकीकरण पर जोर दिया गया है।

एनईपी 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप, शिक्षा मंत्रालय सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (एनएमईआईसीटी) योजना को लागू कर रहा है। यह योजना शिक्षा की सभी प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देती है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लोकतांत्रिकरण की दृष्टि से, एनएमईआईसीटी योजना के तहत प्रमुख संस्थानों द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रमों तक निःशुल्क पहुंच प्रदान करने के लिए स्वयम ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है। इसकी स्थापना के बाद से, स्वयम प्लेटफॉर्म पर 20,000 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हुए हैं, जिसमें संचयी नामांकन 6 करोड़ से अधिक हो गया है।

इसके अतिरिक्त, यूजीसी (स्वयम के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए क्रेडिट फ्रेमवर्क) विनियम, 2021, उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) को स्वयम पाठ्यक्रमों के माध्यम से एक सत्र में 40% तक क्रेडिट प्रदान करने में सक्षम बनाता है। क्रेडिट फ्रेमवर्क के अंगीकरण को बढ़ावा देने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी के सहयोग से समय-समय पर बैठकों, कार्यशालाओं, वेबिनार और परामर्श आदि के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ नियमित जुड़ाव को संस्थागत रूप दिया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप अगस्त 2026 तक 450 से अधिक विश्वविद्यालयों द्वारा क्रेडिट अंतरण के लिए स्वयम ढांचे को अपनाया गया है।

*****